भा. कृ. अनु. प.- केंद्रीय कपास अनुसंधान संस्थान, नागपुर

ICAR-central Institute for Cotton Research, Nagpur

An ISO 9001:2015 Certified Organisation

# कापूस हंगाम २०२३ - २४: साप्ताहिक पीक सल्ला
# (कालावधी २९ ऑगस्ट ते ४ सप्टेंबर २०२३)

| महाराष्ट्र | | मागील आठवड्यातील प्रत्यक्ष पाऊस (मिमी) | | | | | पडणाऱ्या पावसाचा अंदाज (मिमी) | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | | ऑगस्ट | | | | | ऑगस्ट/सप्टेंबर | | | | |
| | | 25 | 26 | 27 | 28 | 29 | 31 | 01 | 02 | 03 | 04 |
| | धुळे | 2 | 0 | 0 | 0 | 0 | 2 | 4 | 3 | 2 | 1 |
| | नंदुरबार | 3.5 | 0.5 | 0 | 0 | 0 | 1 | 2 | 3 | 2 | 1 |
| | जळगाव | 2.7 | 5 | 16.5 | 0 | 0 | 3 | 6 | 5 | 2 | 2 |
| | अहमदनगर | 0 | 0 | 0.6 | 11.6 | 0 | 3 | 10 | 12 | 8 | 6 |
| | औरंगाबाद | 0 | 0.4 | 3.6 | 0 | 0 | 3 | 4 | 5 | 5 | 3 |
| | जालना | | | | | | 2 | 3 | 4 | 3 | 2 |
| | बीड | 0 | 0 | 0 | 5 | 0 | 2 | 12 | 10 | 8 | 5 |
| | नांदेड | 0 | 1 | 1 | 1 | 0 | 5 | 10 | 7 | 5 | 7 |
| | परभणी | 0 | 0 | 0 | 17 | 0 | 1 | 2 | 2 | 3 | 6 |
| | हिंगोली | 0 | 1 | 1.5 | 1.5 | 0 | 1 | 2 | 2 | 2 | 5 |
| | बुलढाणा | 4 | 1 | 4 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 11 | 10 |
| | अकोला | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 1 | 10 |
| | वाशीम | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 1 | 3 |
| | अमरावती | 0 | 6.4 | 0.2 | 0 | 0 | 19 | 1 | 19 | 26 | 24 |
| | यवतमाळ | 0 | 6.4 | 0.2 | 0 | 0 | 18 | 4 | 9 | 12 | 34 |
| | वर्धा | 2 | 0 | 0 | 0 | 0 | 15 | 1 | 7 | 21 | 30 |
| | नागपूर | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 15 | 4 | 13 | 24 | 30 |
| | चंद्रपूर | 0 | 0 | 7 | 0 | 0 | 10 | 10 | 9 | 19 | 33 |
| पावसाचे प्रमाण आणि रंग कोड | | 0.1 to 2.4 मिमी | | 2.5 to 15.5 मिमी | | 15.6 to 64.4 मिमी | | 64.5 to 115.5 मिमी | | 115.6 to 204.4 मिमी | |
| पावसाची श्रेणी | | खूप हलका पाऊस | | तुरळक पाऊस | | मध्यम स्वरूपाचा पाऊस | | मुसळधार पाऊस | | अति मुसळधार पाऊस | |

**पीक परिस्थिती:**

**अकोला:**

- पेरणी केलेले पीक ५५ ते १०५ दिवसांचे असून चौरस निर्मिती फुले येण्याच्या अवस्थेत आहे.
- डवरा चालवणे, तण काढणे, खत टाकणे आणि कीटकनाशक फवारण्या सुरु आहे.
- कपाशीच्या शेतात रसशोषक कीटकांचा जसे मावा, तुडतुडे, फुलकिडे, ठिपकेदार बोंडअळी, गुलाबी बोंडअळी यासारख्या प्रादुर्भाव दिसून आला आहे.

- रोगांचा प्रादुर्भाव नाही.

**नांदेड:**

- पीक ४७ ते ६७ दिवसांचे असून शाखीय वाढ ते चौरस निर्मिती अवस्थेत आहे.
- आंतरमशागतीची कामे, वनस्पती संरक्षण आणि खत वापरा संबंधीच्या फवारण्या देण्यात आल्या.
- कीड व रोगांचा प्रादुर्भाव नाही परंतु फुलकिडे व तुडतुडयांचा प्रादुर्भाव असून तो आर्थिक नुकसान पातळी खाली आहे.
- रोगांचा प्रादुर्भाव नाही

**राहुरी**

- पीक ६२ ते ७० दिवसांचे असून दिवसांचे असून शाखीय वाढ ,फुले व बोंड येण्याच्या अवस्थेत आहे.
- डवरा चालवणे, तण काढणे सुरु आहे.
- पांढरी माशी वगळता रस शोषक किडकांचा प्रादुर्भाव आर्थिक नुकसान पातळी वर आहे.
- शेतात तणांचा प्रादुर्भाव आढळला आहे.
- काही शेतात मायलोसेरस भुंग्यामुळे कापसाचे नुकसान झाले आहे.

**पीक सल्ला:**

अकोला येथे, जर पूर्वी केले नसल्यास शेतकऱ्यांना जून आणि जुलै मध्ये पेरणी केलेल्या पिकामध्ये झाकलेल्या सरी उघडण्याचा/नांगरण्याचा सल्ला देण्यात आला आहे. सध्या दीर्घकाळ कोरडा पडणारा कालावधी लक्षात घेता सिंचन सुविधा उपलब्ध असल्यास संरक्षणात्मक उपाय म्हणून फवारा/ठिबक/सरी सिंचनाद्वारे पिकाला पाणी द्यावे. पिकाशी तणांची स्पर्धा टाळण्यासाठी खुरपणी करावी. फुलोऱ्याच्या अवस्थेत २% नत्र आणि बोंड विकासाच्या अवस्थेत २% डी ए पी ची फवारणी करावी. कोरड्या अवस्थेत पोटॅशियम नायट्रेट ची @१००ग्रॅम/१० लिटर पाण्यात मिसळून फवारणी करावी. कापसाची पाती आणि फुले नैसर्गिकरित्या कमी होऊ नयेत यासाठी एन ए ए ४.५ एसएल @ ४ मिली/१० लिटर आणि कापसाची अनियंत्रित शाखीय वाढ रोखण्यासाठी क्लोरमेक्वॅट क्लोराईड @ १० मिली/१० लिटर पाण्यात फवारणी करावी. रस शोषक किडकांचे नियंत्रण करण्यासाठी व गुलाबी बोंडअळी अंडी घालू नयेत म्हणून निंबोळी अर्क ५% ईसी किंवा कडुनिंब आधारित कीटकनाशकाची @ १ लिटर/एकर फवारणी करण्याचा सल्ला दिला जातो. रस शोषक कीटक आर्थिक नुकसान पातळी ओलांडल्यास थायामेथॉक्सम २५ डब्ल्यूजी @ २ ग्रॅम किंवा डायनोटेफुरॉन २०% एसजी @ ३ ग्रॅम किंवा फ्लॉनिकॅमिड ५० डब्ल्यूजी @ ४ ग्रॅम किंवा डायफेन्थियुरॉन ५० डब्लूपी @ १२ ग्रॅम किंवा बुप्रोफेझिन २५ एससी @ २० मिली प्रति १० लिटर पाण्यात मिसळून पावसाची स्थिती लक्षात घेऊन फवारणी करावी. गुलाबी बोंडअळीच्या पतंगाच्या हालचालीवर लक्ष ठेवण्यासाठी कामगंध सापळे @ ५ सापळे/हेक्टर स्थापित करावे. जर प्रादुर्भाव आर्थिक नुकसान पातळी ओलांडल्यास प्रोफेनोफोस ५० ईसी @ ३० मिली किंवा इमामेक्टिन बेंझोएट ५ एसजी @ ५ ग्रॅम किंवा इंडोक्साकार्ब १४.५ एससी @ १० मिली प्रति १० लिटर पाण्यात मिसळून फवारणी करावी.

नांदेड येथे, शेतकऱ्यांना ६० डीएएस दराने सिंचन केलेल्या पिकासाठी ६० किलो नत्र प्रति हेक्टरी आणि पावसावर आधारित पिकासाठी ३६ किलो नत्र प्रति हेक्टरी टॉप ड्रेसिंग देण्याचा सल्ला देण्यात आला आहे. तण व्यवस्थापनासाठी आंतरमशागतीच्या क्रिया कराव्या. पिवळे चिकट सापळे @ ८/एकर आणि निळे चिकट सापळे @ ८/एकर रस शोषक किडकांच्या नियंत्रणासाठी स्थापित करावे. रसशोषक किडकांचे नियंत्रण करण्यासाठी आणि कापसावर गुलाबी बोंडअळी अंडी घालू नयेत म्हणून निंबोळीअर्क ५% किंवा कडुनिंब तेल @ १ लिटर/एकर फवारणी करावी. रस शोषक कीटक आर्थिक नुकसान पातळी ओलांडल्यास थायामेथॉक्सम २५ डब्ल्यूजी @ २ ग्रॅम किंवा डायनोटेफुरॉन २०% एसजी @ ३ ग्रॅम किंवा फ्लॉनिकॅमिड ५० डब्ल्यूजी @ ४ ग्रॅम किंवा डायफेन्थियुरॉन ५० डब्लूपी @ १२ ग्रॅम किंवा बुप्रोफेझिन २५

एससी @ २० □मल□ □□त १० □लटर पा□यात □मसळून फवारणी करावी. गुलाबी ब□डअळी□या पतंगा□या □□ याकलापांवर ल□ ठेव□यासाठ□ कामगंध सापळे @ ५ सापळे/हे□टर □था□पत करावे. डोमक□या गोळा क□न न□ट करा□या. जर □ादुभाव आ□थक नुकसान पातळी ओलांड□यास □ोफेनोफोस ५० ईसी @ ३० □मल□ □कंवा इमामे□□टन ब□ोएट ५ एसजी @ ५ □ॅम □कंवा इंडो□साकाब□१४.५ एससी @ १० □मल□ □□त १० □लटर पा□यात □मसळून फवारणी करावी.

राहुर□ येथे, शेतक□यांना वेळेवर आंतरमशागतीची कामे कर□याचा स□ला □दला जातो. □पवळे □चकट सापळे @ ८ /एकर आ□ण □नळे □चकट सापळे @ ८/एकर तुडतुडे व फुलक□□यां□या □नर□□ णासाठ□ □था□पत करावे. रस शोषक क□टकांचे □नर□□ ण कर□यासाठ□ व गुलाबी ब□डअळी अंडी घालू नयेत □हणून □नंबोळी अक□ ५% ईसी □कंवा कडु□नंब आधा□रत क□टकनाशकाची @ १ ल□टर/एकर फवारणी कर□याचा स□ला □दला जातो. रस शोषक क□टक आ□थक नुकसान पातळी ओलांड□यास थायामेथॉ□सम २५ ड□□यूजी @ २ □ॅम □कंवा डायनोटेफुरॉन २०% एसजी @ ३ □ॅम □कंवा □लॉ□नकॅ□मड ५० ड□□यूजी @ ४ □ॅम □कंवा डायफ□थयुरॉन ५० ड□लूपी @ १२ □ॅम □कंवा बु□ोफेझन २५ एससी @ २० □मल□ □□त १० □लटर पा□यात □मसळून फवारणी करावी. गुलाबी ब□डअळी□या पतंगा□या □□ याकलापांवर ल□ ठेव□यासाठ□ कामगंध सापळे @ ५ सापळे/हे□टर □था□पत करावे. डोमक□या गोळा क□न न□ट करा□या. जर □ादुभाव आ□थक नुकसान पातळी ओलांड□यास □ोफेनोफोस ५० ईसी @ ३० □मल□ □कंवा इमामे□□टन ब□ोएट ५ एसजी @ ५ □ॅम □कंवा इंडो□साकाब□ १४.५ एससी @ १० □मल□ □□त १० □लटर पा□यात □मसळून फवारणी करावी.